ब्रह्मा बाबा को हमने हर शिक्षा की प्रतिमूर्ति देखा

राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी,अति.
मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

1951 में 11 वर्ष की आयु में मुझे मेरी मौसी द्वारा इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं ब्रह्मा बाबा के बारे में पता चला। क्योंकि मेरी मौसी 1937 से ही इस संस्थान में समर्पित थीं। उनके बताने के पश्चात् मुझे इस बारे में और जानने की जिज्ञासा रहने लगी। फिर 1958 में ब्रह्मा बाबा का दिल्ली में आना हुआ, उस समय मैं कॉलेज में पढ़ती थी। मैंने सेवाकेन्द्र से संपर्क कर बाबा से मिलने की इच्छा ज़ाहिर की। तो मुझे सहर्ष स्वीकृति मिली। कॉलेज से आते समय शाम को मैं सेवाकेन्द्र पर बाबा से मिलने गई तो जैसे ही मैं कमरे में प्रवेश हुई तो सामने ब्रह्मा बाबा चेयर पर बैठे थे। कुछ पल के लिए तो इतना सुंदर दृश्य लगा जैसे ऐसा मैंने पहले कभी देखा नहीं था। बाबा ने मुझे बहुत आदर से अपने समीप कुर्सी पर बिठाया और बहुत प्रेम से बात करनी शुरु की। उससे पहले मैं कई गुरुओं, संत-महात्माओं आदि से भी मिली थी, लेकिन मेरे पर जो प्रभाव ब्रह्मा बाबा को देखने से पड़ा तो मुझे ऐसा लगा कि रूहानियत का मतलब यह नहीं कि जीवन सुचारू न हो, और आध्यात्मिकता का मतलब ये नहीं है कि आपकी रहन-सहन में कोई भी तरह का व्यवस्थित रूप न हो। तो मैंने वहां देखा कि ब्रह्मा बाबा का अपना व्यक्तित्व, जिस तरह के उनके वस्त्र थे, बिल्कुल साफ, स्वच्छ, बेशक बहुत-बहुत साधारण और सिम्पल, लेकिन उसमें इतनी रॉयल्टी थी, इतनी प्यूरिटी थी, तो मैंने अनुभव किया कि उनके जीवन में आध्यात्मिकता और बौद्धिकता का बहुत संतुलन था। उसके बाद पहले-पहले बाबा ने मुझसे मेरे व्यक्तिगत जीवन की जानकारी करने के लिए कि आप क्या करती हैं, कहां पढ़ती हैं, आपकी हॉबी क्या है, आपका जीवन में लक्ष्य क्या है, आप क्या शिक्षा लेती हैं, आपके क्या सब्जेक्ट्स हैं कॉलेज में, तो जैसे बाबा बीस-पच्चीस मिनट तक इस तरह से बात करने लगे। मुझे बहुत अच्छा लगा क्योंकि मैं ये एक्सपेक्ट नहीं करती थी कि इतनी महान आत्मा इस तरह की बातों में रुचि लेंगी। बाद में बाबा ने मुझे बहुत सारे ब्लेसिंग्स भी दिये।

बाबा हर शिक्षा की प्रतिमूर्ति

दिल्ली में बाबा से इस मिलन के बाद जब मेरा माउण्ट आबू में बाबा के पास आना हुआ तो वहां मैंने देखा कि जो भी शिक्षायें बाबा हम बच्चों को देते थे, वो उसकी एक मूर्ति थे, उदाहरण थे। जहाँ तक मुझे याद है, ऐसा कभी नहीं हुआ कि बाबा ने कोई बहुत बड़े-बड़े डायरेक्शन्स ऐसे सामने से दिये हों। लेकिन बाबा का अपना व्यवहार, बाबा की अपनी चलन, बाबा का चेहरा ऐसा उदाहरण था कि मैं समझती हूँ कि जो कुछ भी शिक्षा हमें मिलती थी तो वो जैसे कि प्रैक्टिकल में सामने एक एग्ज़ाम्पल हमें दिखाई देता था। मुझे याद है कि एक बार हमने देखा कि कोई भाई थे, वो कुछ ले जा रहे थे, उनके हाथ में शायद कुछ बिजली का सामान था। तो वो उनके हाथ से गिर गया। हो सकता है उनका ध्यान कहीं और चला गया हो। तो जो लोग आसपास खड़े थे, कहने लगे अरे तुमसे ये क्या हुआ! लेकिन बाबा बहुत धैर्यता से प्रेम की दृष्टि देते हुए वहां से निकले और उन्होंने कुछ भी कहा नहीं। उसके बाद हम बाबा के कमरे में गये और बाबा से कहा कि आपने तो ऐसे जैसे देखा ही नहीं कि क्या हुआ! तो बाबा ने कहा कि एक तो उससे वस्तु गिरी, तो उस समय वो खुद भी घबरा रहा था, और उसके बाद अगर हम कुछ कहेंगे, तो उसने जानबूझ कर तो नहीं किया। भूल हो गई, वो ड्रामा में नूंध थी। तो जैसे हमने देखा कि बाबा हर बात को, जो भी उनके सामने परिस्थिति आती थी, तो उसमें जो ईश्वरीय ज्ञान है, योग बल और साइलेंस का बल, उसका बहुत प्रयोग करते थे।

मैंने बाबा के अंतिम पूरे वर्ष में ये अनुभव किया कि हम कोई भी विस्तार में बात करते या रिपीट करते थे तो बाबा तुरंत कहते कि बच्चे, बाबा समझ गए, बार-बार क्यों रिपीट करते हो। बाबा के ध्यान पर आ गया। तो जैसे कि बाबा इस सृष्टि में पार्ट बजाते हुए भी ऐसा लगता था कि अपनी सम्पूर्ण स्थिति से, अपनी साकार देह से न्यारे होते जा रहे हैं।

मैं अपना ये सौभाग्य समझती हूँ कि मुझे इतने वर्ष बाबा ने जो कदम-कदम पर शिक्षायें दीं, बाबा मुझे हमेशा कहते थे कि बच्ची तुम विश्व में सेवा करने जाओगी। बाबा ये चाहता है कि तुम्हारी बुद्धि कहीं भी न किसी वस्तु, न किसी व्यक्ति में जाये। मुझे बाबा की वो बात इतनी याद रहती है और दिल से शुक्रिया निकलती है कि आज हम ये कह सकते हैं कि हमारी बुद्धि का सम्बन्ध या योग एक बाबा के साथ ही है। बाबा की ऐसी मधुर शिक्षायें मेरे जीवन के लिए वरदान हो गईं और आज समस्त विश्व की सेवा करने के मैं निमित्त बनी। तो ऐसे प्यारे बाबा के अव्यक्त दिन पर बाबा की मधुर स्मृतियां मानस पटल पर बारंबार आ रही हैं।

बिलासपुर-छ.ग.। साइंस कॉलेज,बिलासपुर के मैदान में आयोजित सात दिवसीय 'स्वदेशी मेला, आत्मनिर्भरता की एक झलक' में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'मेरा बिलासपुर दुर्घटना रहित बिलासपुर एवं मेरा बिलासपुर व्यसन मुक्त बिलासपुर' के संयुक्त जागरुकता स्टाल का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम राज्यमंत्री पुरूषोत्तम तेली। इस मौके पर सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव, बिलासपुर रेंज के आईजी रतन लाल डांगी, पूर्व मंत्री एवं मस्तूरी विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व मंत्री रामविचार नेताम, रेल्वे ज़ोन के वरिष्ठ अधिकारी नवीन कुमार, बिलासपुर के पूर्व सांसद लखनलाल साहू, बेलतरा विधायक रजनीश सिंह, भारतीय जनता पार्टी संगठन मंत्री पवन साय, वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं विनायक नेत्रालय के संचालक डॉ. ललित मखीजा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्वाति बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्य संस्कार भवन सेवाकेन्द्र में दीपावली एवं भाई दूज के उपलक्ष्य में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए कलेक्टर रोहित सिंह, एसडीएम राजेश शाह, सीएमएचओ ए.के. जैन, जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा, जेल अधीक्षक शैफली तिवारी, ब्र.कु. कुसुम बहन तथा अन्य।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO: - 30826907041,IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
BHIM Baroda Pay
SCAN TO PAY
WITH ANY BHIM UPI APP
Merchant Name : RERF Om Shanti Media
vpa : 09000rf0076184@barodampay
UPI
paytm BHIM BharatPe

इंदौर-म.प्र.। इंदौर ज़ोन के पूर्व निदेशक तथा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के पूर्व अध्यक्ष ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई जी के 7वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में ज्ञानशिखर में 'राष्ट्र निर्माण और मीडिया' विषय पर आयोजित मीडिया परिसंवाद कार्यक्रम में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्व विद्यालय वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ल, मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक तथा देवपुत्र पत्रिका के संपादक विकास दवे, कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता विश्व विद्यालय रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, नई दुनिया के प्रधान संपादक सद्गुरू शरण अवस्थी, दैनिक भास्कर के संपादक अमित मंडलोई, एस.आर. चैनल के संपादक प्रो. राजीव शर्मा, प्रजातंत्र के संपादक अनिल कर्मा, नवभारत के समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी, माउंट आबू से मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगी ब्र.कु. शांतनु भाई, माउंट आबू से मधुबन न्यूज़ के प्रधान संपादक राजयोगी ब्र.कु. कोलम भाई, माउंट आबू से ब्र.कु. तुलसी बहन, इंदौर ज़ोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी, मीडिया विंग कोर कमेटी की सदस्य ब्र.कु.अनिता बहन व इंदौर के साथ-साथ उज्जैन, देवास, रतलाम एवं राजगढ़ आदि समूचे मालवांचल के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े मीडियाकर्मी शामिल रहे।

कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। कलेक्टर अवि प्रसाद के कटनी जिले में पदभार संभालने पर उनका सम्मान करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. दुर्गा बहन।

भिलाई-छ.ग.। भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान में बी.टेक छात्रों को 'पॉज़िटिव थिंकिंग' विषय पर कार्यशाला कराने के पश्चात् वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. प्राची दीदी को मोमेंटो देकर सम्मानित करते हुए वाइस प्रिंसिपल डॉ. मनीषा शर्मा।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर रिट्रीट सेंटर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तामासिवनी,आरंग के एन.सी.सी. के सौ से अधिक बच्चे एवं ग्रुप लीडर बलदेव ठाकुर के आने पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. अदिति बहन।